Seminar on 'Physical Security Products In Banks (PSP) & Other Institution' on Thursday, 09 March 2017 at Mumbai.

An Interactive Seminar on 'Physical Security Products In Banks (PSP) & Other Institution' was organized by Mechanical Engineering Department, BIS on Thursday, 09 March 2017 at Mumbai. The objectives of the Seminar were to disseminate information on published & under formulation Indian Standards on security equipment for banks and other financial institutions, assess the requirements through interaction of industry and other stakeholders regarding formulation/revision of the Indian Standards on security equipment. The seminar was attended by over 100 participants from various stake-holders such as banking and other financial institutions, manufacturers, testing agencies, BIS licensees, concerned Government departments, officers of BIS and members of press/media.

Ms Khashboo Kumari, Scientist C, MED, BIS New Delhi in her welcome address informed the audience about the objective behind the seminar and the benefits of organizing the seminar in Mumbai. **Shri A Rangarajan, Head (MED), BIS** while welcoming the august gathering, informed the audience about the 'Programme Objectives' of the seminar in which he highlighted the importance of seminars, as it is extremely helpful in bringing awareness about Indian Standards and procedures for implementation of these standards for the stakeholders for getting their product certified with BIS mark which is considered as the hallmark of quality, reliability and third party assurance to the consumer.

Shri S K Dube, General Manger (Technical), Reserve Bank of India, Mumbai & Chairman, Security Equipment Sectional Committee, MED 24 in his key note Address emphasized on the need for more interaction between industry representative and BIS. He also emphasized that it is a very good platform for discussing the Standardization activity to augment the development of Indian Standards on security equipment for banks and other financial institutions and for review of the existing Standards and update them in line with the latest advancements in manufacturing technology. **Shri. B.V.S.N. Rao, Duputy Director General (WRO), Mumbai** gave the special address in which, he illuminated that technology is changing every day and the requirements of physical security in banks. He emphasized that an efficient and trustworthy service is the hallmark of any banking system. Anything untoward happening in the banking sector will undermine the trust of the common man in the banking system which will have far reaching consequences on bank economy.

Shri R.K. Mittal, Scientist-F & Deputy Director General (Standardization), Bureau of Indian Standards, New Delhi & chief guest, in his inaugural address informed the participants that the subject chosen for the seminar is very relevant, in view of the present scenario for requirements of security in the banking sectors and other financial institutions. He also apprised the audience that BIS has formulated over 18900 Indian

Standards in various fields of technologies out of which 15 Indian Standards on safes; cash boxes; strong room doors and safe deposit locker cabinets, ventilation equipment for banks etc. have been formulated by Security Equipment Sectional Committee MED 24. He also informed the audience that 5 Indian Standards on security equipment are under BIS product certification scheme and 37 licenses of security equipment are in operation at present. **Shri Dara E Byramjee, Executive vice president of M/s Godrej Security Solutions, Mumbai** ended the inaugural session with a hearty vote of thanks to the dignitaries. He thanked all the participants for attending the seminar despite their preoccupations.

During the technical secession Shri S K Dube, Chairman, Security Equipment Sectional Committee MED 24 & Chairman, Technical Session welcomed the distinguished speakers and advised the participants to make maximum use of the deliberations during the seminar. In the first technical session, Prof. P. P. Date, Department of Mechanical Engineering, IIT Bombay informed about the 'Physical Security in Banks & Institutions: Challenges for Security Equipments', Shri Prashant Chouthkanthiwar of M/s Godrej Security Solutions, Mumbai gave a presentation on the 'Standards ensure sustained Quality', Ms Khashboo Kumari, Member Secretary MED 24, BIS highlighted the participants on the 'Standardization Procedures & Standards on Security Equipments', Shri P Sengupta, CEO of M/s EMTAC Laboratories Pvt Ltd, Hyderabad enlighten the participants on the 'Relevance of Testing In Physical Security Products',

In the second technical session after lunch, Cdr Brahm Swaroop, Senior General Manager & Head Purchase – Admin Infra, Tata Consultancy Services Ltd informed the audience about 'Operational Life Cycle Management of Physical and Digital Security Equipments', Capt. Sujeet Singh Rawal, Chief Executive Officer, Checkmate Services Pvt Ltd. gave a presentation regarding the 'Physical Security Products in Banks (PSP) & Other Institution-User Perspective', Shri Shyam B. Kharbade, Dy Chief Officer, Mumbai Fire Brigade informed about the 'Fire safety', Shri P K Kandoi, Head MUBO I, WRO, Mumbai briefed the audience about 'BIS Certification Policy & Procedure'. A panel discussion was also held on 'Security and Safety Products- Ominous significance' under the chairmanship of Capt. S. Kannan of M/s Godrej Security Solutions, Mumbai.

The participants of the Seminar had a very good interaction with each other regarding all aspects on security equipment and queries raised by the participants were duly answered by respective speakers.

The seminar ended with a hearty vote of thanks by Shri A Renga Rajan, Head (MED), BIS, New Delhi.

बैंकों में फिजिकल सुरक्षा उत्पाद (पीएसपी) पर सेमिनार
दिनांक 09 मार्च 2017, मुंबई

भारतीय मानक ब्यूरो के यांत्रिक इंजीनियरी विभाग द्वारा 'बैंक एवं अन्य वित्तीय संस्थाओं में भौतिक सुरक्षा उत्पादों (पीएसपी)' पर दिनांक 09 मार्च 2017, गुरूवार को मुंबई में एक इंटरैक्टिव संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी का उद्देश्य बैंक एवं अन्य वित्तीय संस्थाओं के लिए सुरक्षा उपस्कर पर प्रकाशित तथा निर्माणाधीन भारतीय मानकों के बारे में जानकारी का प्रसार करना, और सुरक्षा उपस्कर पर भारतीय मानकों के निर्धारण / पुनरीक्षण के संबंध में उद्योग एवं अन्य स्टेक-होल्डरों से चर्चा के माध्यम से उनकी अपेक्षाओं का मूल्यांकन करना था। विभिन्न स्टेकहोल्डरों जैसे बैंकिंग एवं अन्य वित्तीय संस्थाओं, निर्माताओं, परीक्षण ऐजेन्सियों, बीआईएस लाइसेंस धारकों, संबंधित सरकारी विभागों, बीआईएस के अधिकारियों तथा प्रैस/मीडिया के सदस्यों सहित 100 से अधिक प्रतिभागी उपस्थित हुए।

सुश्री खुशबू कुमारी, वैज्ञानिक सी, एमईडी, बीआईएस, नई दिल्ली ने अपने स्वागत भाषण में संगोष्ठी आयोजित करने के पीछे के उद्देश्य के बारे में श्रोताओं को जानकारी दी और संगोष्ठी मुंबई में आयोजित करने के लाभ बताये**। श्री ए रंगराजन, प्रमुख (एमईडी), बीआईएस** ने सभा को संबोधित करते हुए "कार्यक्रम के उद्देश्यों" के बारे में बताया जिसमें उन्होंने संगोष्ठी के महत्त्व पर प्रकाश डाला चूँकि, यह संगोष्ठी भारतीय मानकों और इन मानकों के कार्यान्वयन हेतु स्टेकहोल्डरों के लिए, अपने उत्पाद, जिसे उपभोक्ताओं के लिए गुणता, विश्वसनीयता तथा तीसरा पक्ष आश्वासन का हॉलमार्क समझी जाती है, बीआईएस मुहर से प्रमाणित करने वाली प्रक्रियाओं के बारे में जागरुकता लाने हेतु अत्यंत उपयोगी है।

श्री एस.के दुबे, महाप्रबंधक (तकनीकी), भारतीय रिजर्व बैंक, मुंबई एवं अध्यक्ष सुरक्षा उपस्कर विषय समिति, एमईडी 24 ने अपने मुख्य अभिभाषण में औद्योगिक प्रतिनिधियों और बीआईएस के बीच अधिक मेलजोल पर जोर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि यह मानकीकरण गतिविधियों पर चर्चा करने के लिए एक अच्छा मंच है ताकि बैंक एवं अन्य वित्तीय संस्थाएँ हेतु सुरक्षा उपस्करों के लिए भारतीय मानक के निर्धारण में वृद्धि और मौजूदा मानकों का पुनरीक्षण करने हेतु और उन्हें विनिर्माण तकनीक के आधुनिक विकास के साथ अपडेट किया जा सके। **श्री बी.वी.एस.एन. राव, उपमहानिदेशक (प.क्षे.का.) मुंबई** ने विशेष अभिभाषण दिया और कहा कि प्रौद्योगिकी रोज बदल रही है और उसके साथ-साथ बैंक में भौतिक सुरक्षा की अपेक्षाएँ भी प्रतिदिन बदल रही हैं। उन्होंने जोर दिया कि एक सुचारु और विश्वसनीय सेवा किसी भी बैंकिग पद्धति का हॉलमार्क है। बैंकिंग क्षेत्र में किसी भी अनहोनी, से बैंकिंग पद्धति में आम आदमी का विश्वास डगमगाएगा, जिसके बैंक अर्थव्यवस्था पर दूरगामी परिणाम होंगे।

श्री आर.के मित्तल, वैज्ञानिक एफ एवं उपमहानिदेशक (मानकीकरण), भारतीय मानक ब्यूरो, नई दिल्ली तथा मुख्य अतिथि ने अपने उद्घाटन अभिभाषण में प्रतिभागियों को बताया कि जो विषय चुना गया है वो आज के परिप्रेक्ष्य में बैंकिंग क्षेत्र एवं वित्तीय संस्थाओं की सुरक्षा के लिए बहुत प्रासंगिक है। उन्होंनें यह भी बताया कि बीआआईएस ने तकनीक के विभिन्न क्षेत्रों में 18900 के ऊपर मानक बनाए हैं, जिनमें 15 भारतीय मानक तिजौरी, कैश बॉक्स, स्ट्रोंग रुम के दरवाजों और सेफ डिपोजिट लॉकर केबिनेट, बैंक के लिए वैंटिलेशन उपस्कर आदि सुरक्षा उपस्कर विषय समिति एमईडी 24 द्वारा बनाए गए हैं। उन्होंने श्रोताओं को यह भी बताया कि सुरक्षा उपस्करों के 5 मानक बीआईएस उत्पाद प्रमाणन योजना के अंतर्गत हैं और अभी सुरक्षा उपस्करों के 37 लाइसेंस प्रचालन में हैं। **श्री दारा ई बाइरामजी, मैसर्ज गोदरेज, सिक्यूरिटी सोल्यूशनस्, मुंबई** द्वारा सभी गणमान्य अतिथियों का हार्दिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ उद्घाटन सत्र का समापन हुआ। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को अपनी व्यस्तता के बावजूद संगोष्ठी में उपस्थित होने के लिए धन्यवाद दिया।

तकनीकी सत्र के दौरान श्री एस.के. दुबे, अध्यक्ष, सुरक्षा उपस्कर विषय समिति एमईडी 24 एवं अध्यक्ष, तकनीकी सत्र ने विशिष्ट वक्ताओं का स्वागत किया और प्रतिभागियों को सलाह दी कि वे संगोष्ठी के दौरान बताई गई बातों का अधिक से अधिक प्रयोग करें। पहले तकनीकी सत्र में प्रोफेसर पी.पी. दाते, यांत्रिक इंजीनियरी विभाग, आईआईटी मुंबई ने "बैंक एवं संस्थाओं में भौतिक सुरक्षा : सुरक्षा उपस्करों के लिए चुनौतियाँ", मैसर्स गोदरेज, सिक्यूरिटी सोल्यूशनस्,

मुंबई के श्री प्रशांत चौथकांतिवर ने "मानक निरंतर गुणता सुनिश्चित करते हैं" पर प्रस्तुतीकरण दिया, सुश्री खुशबु कुमारी, सदस्य सचिव, एमईडी 24, बीआईएस ने प्रतिभागियों को "मानकीकरण प्रक्रियाएँ और सुरक्षा उपस्करों पर मानक" से अवगत कराया, श्री पी. सेनगुप्ता, मैसर्स एमटेक लैबोरेटरीज प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद के सीईओ ने प्रतिभागियों को "भौतिक सुरक्षा उत्पादों में परीक्षण की प्रासंगिकता" पर प्रकाश डाला।

लंच के बाद दूसरे तकनीकी सत्र में कोमोडोर ब्रह्म स्वरूप, वरिष्ठ महाप्रबंधक एवं अध्यक्ष क्रय - एडमिन इंफ्रा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विस लिमिटेड ने श्रोताओं को "फिजिकल और डिजिटल सुरक्षा उपस्करों के ऑपरेशनल लाइफ साइकिल मैनेजमेंट'" के बारे में दर्शकों को सूचित किया, कैप्टेन सुजीत सिंह रावल, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, चैकमेट सर्विसिज़ प्राइवेट लिमिटेड ने "बैंक और अन्य संस्थाओं में फिजिकल और डिजिटल सुरक्षा उत्पाद- उपयोगकर्ता का दृष्टिकोण" श्री श्याम खरबडे, उप मुख्य अधिकारी, मुंबई फायर ब्रिगेड ने "अग्नि से सुरक्षा" के बारे में बताया, श्री पी.के. कंडोइ, प्रमुख एमयूबीओ I, पश्चिमी क्षेत्रीय कार्यालय, मुंबई ने श्रोताओं को 'बीआईएस प्रमाणन नीति और पद्धति' के बारे में संक्षेप में अवगत कराया। मैसर्ज गोदरेज सिक्योरिटी सोल्यूशनस के कैप्टेन एस. कानन की अध्यक्षता में "सुरक्षा और सुरक्षा उत्पाद - भविष्य सूचक महत्त्व" पर पैनल चर्चा आयोजित की गई।

सुरक्षा उपस्कर के सभी पहलुओं पर संगोष्ठी के प्रतिभागियों के बीच में अच्छा वार्तालाप हुआ और सभी संबंधित वक्ताओं द्वारा प्रतिभागियों की जिज्ञासा का समाधान किया गया। **इस संगोष्ठी का समापन श्री ए. रंग राजन प्रमुख (एमईडी) बीआईएस, नई दिल्ली द्वारा प्रस्तुत औपचारिक धन्यवाद प्रस्ताव से हुआ।**

IUM
MECHANICAL ENGINEERING DEPARTMENT
BUREAU OF INDIAN STANDARDS,
NEW DELHI
&
Godrej | SECURITY SOLUTIONS
WELCOMES YOU
for a seminar on
"PHYSICAL SECURITY PRODUCTS IN BANKS (PSP) & OTHER INSTITUTIONS"

MECHANICAL ENGINEERING DEPARTMENT
BUREAU OF INDIAN STANDARDS,
NEW DELHI
Seminar on
"PHYSICAL SECURITY
PRODUCTS IN BANKS (PSP)
& OTHER INSTITUTIONS"
THURSDAY, 09th MARCH, 2017
Godrej | SECURITY SOLUTIONS